आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 28 January, 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - आज यह बात पक्का कर ले मेरे साथ अब से सबकुछ अच्छा होगा

आज अट्ठाइस जनवरी है। हम सभी भगवान के रॉयल बच्चे है। उसने हमें अथाह खुशियों का खजाना दिया है। ड्रामा का गुह्य ज्ञान दिया है।

और कहा है ....

" तुम मेरे साथ सदा कैसे रहो .. और यदि तुम मेरे साथ रहोगे तो तुम्हारे पास डबल फोर्स काम करेगा .. तुम्हारे कार्य सहज हो जायेंगे .. मुझे अपना साथी बना लो .. तो मैं तुमसे कम्बाइण्ड रहूँगा "

और यह कम्बाइण्ड का फोर्स संसार में किसी भी समस्या या विघ्न को नष्ट करने के लिए पर्याप्त है।

तो जीवन एक बहुत सुन्दर खेल है। इस खेल को हमें एन्जॉय करना है। और अब तो भाग्य बनाने का सर्वश्रेष्ठ समय चल रहा है। हमें कभी भी अलवेलेपन में इस अनमोल समय को व्यर्थ नहीं गवाना है। ध्यान दे ...

" कोई भी बात हमारी खुशी को गुम न करे .. हमारी खुशी बहुत बड़ी सम्पत्ति है .. बहुत बड़ी दौलत है "

लोग इस खुशी के लिए कितना धन खर्च करते है। परन्तु खुशी ही सबसे बड़ी दौलत है। यह जान लेने से यदि हम स्वभाव को ही ऐसा बना ले कि हमें सदा खुश रहना है तो बहुत सुन्दर अनुभूतियाँ होगी।

मनुष्य के जीवन में बातें आती है, चली जाती है। समझ लो यह बाते जाने वाली है। भगवानुवाच है। क्योंकि यह ड्रामा का खेल सदा ही गतिमान है। इसमें प्रतिपल सीन बदल रही है।

तो बातों को जाने दो। हम उन्हें पकड़े नहीं तो वह ठहरेंगे भी नहीं। हम पकड़ लेते है उन्हें ठहरा देते है वह जाना चाहती है। तो वह भी परेशान होके हमें परेशान करती है।

इसलिए बातें बड़ी नहीं है। बड़ी तो हमारी खुशी है। हम किसी भी कीमत पर छोटी छोटी बातों के कारण मूल्यहीन बातों के कारण अपने खुशी को नष्ट नही करना है।

हमारी खुशी अनमोल खजाना है। क्योंकि हम सृष्टि के जड़े भी है। यदि हम खुश रहते है तो हमारी खुशी के वायव्रेशन्स संसार के अनेक मनुष्य को दिलों में खुशी का संचार करते है।

इसलिए बातों को महत्व न देकर अपने खुशी को महत्व दे। बातों को महत्व देने से हमारी स्थिति बिगड़ जाती है। सभी बातें मूल्यवान नहीं होते। मूल्यहीन भी होती है।

तो हम सभी ध्यान दे इस अव्यक्त मास में सदा हम यही कहे कि ... " बहुत अच्छा होगा "

क्योंकि हमारे हर संकल्प में क्रियेटिव एनर्जी है। जो कुछ हम बार-बार सोचते है उसको हम क्रियेट करते है। तो ऐसा सोचो .....

" जो कुछ हो गया वह भी अच्छा था .. कहीं न कहीं उसमें कल्याण समाया था .. और जो होगा वह बहुत अच्छा होगा ..क्योंकि हमारा वर्तमान अच्छा है"

अगर कुछ ऐसा वैसा हो भी जाये, तो भी सदा दिल से यही बोलना है कि ....
" बहुत अच्छा होगा "

अपने चित में यह बात सदा के लिए समा ले कि .....

" मेरे साथ अब से जो कुछ भी होगा वह बहुत अच्छा होगा "

तो आप देखेंगे अगर कोई खराब भी होगी .. वह भी अच्छाई में बदल जायेगी। क्योंकि भगवानुवाच है.....

" तुम यही कहो .. सबकुछ अच्छा होगा .. तो बूरा होने वाला भी अच्छे में बदल जायेगा "

हमारे अंदर जो क्रियेटिव एनर्जी है उसे पहचाने। और अपना मन ऐसा हल्का कर दे ....

" सबकुछ अच्छा होगा "

ऐसा विश्वास भर ले कि .....

" सबकुछ अच्छा होगा " .... तो अच्छा हो जायेगा।

तो आज सारा दिन हम अव्यक्त मिलन मनायेंगे। हर घन्टे में एकबार ....

" बापदादा का आह्वान करेंगे "

और एकबार चलेंगे ...

" सूक्ष्म लोक में .. उनसे मिलन करने .. उनसे गले मिलने .. उनके दृष्टि लेने .. उनके साथ रास करने "

और आज के दिन को सुन्दर अनुभूतियों में व्यतीत करेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org